

न्यायालय जिला कलक्टर, अजमेर जिला अजमेर

रसद प्रा. पत्र सं. 50/2023

सपुर्दगीनामा प्रार्थना पत्र 27/2023

सपुर्दगीनामा प्रार्थना पत्र 26/2023

राजस्थान सरकार जरिये योगेश कुमार मिश्रा, प्रवर्तन निरीक्षक, अजमेर

.....प्रार्थी

बनाम

1. श्री मनीष कुमार जैथलिया पुत्र श्री ओमप्रकाश जैथलिया, खोडा माता इण्डस्ट्रीयल एरिया उदयपुर कला, तहसील किशनगढ
2. श्रीमती चन्द्रकांता जैथलिया पत्नी श्री ओमप्रकाश जैथलिया
3. फर्म भारत पेट्रो इण्डस्ट्रीज उदयपुर कला, तहसील किशनगढ पुलिस गिना किशनगढ शहर

.....अप्रार्थीगण

उपस्थित :-

श्री अब्दुल सादिक प्रवर्तन अधिकारी परोकार सरकार
श्री मनीष कुमार जैथलिया अप्रार्थी
श्रीमती चन्द्रकांता जैथलिया अप्रार्थीयाँ

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 6 ए. आवश्यक वस्तु अधिनियम
आदेश

दिनांक- 19.07.2023

संक्षिप्त में प्रार्थना पत्र के तथ्य इस प्रकार से है कि दिनांक 23.02.2023 को खसरा नम्बर 02, प्लॉट नं0 3 ए, खोडा माता इण्डस्ट्रीयल एरिया उदयपुर कला तहसील किशनगढ पर पेट्रोलियम पदार्थ के अवैध व्यवसाय की सूचना पर जिला रसद अधिकारी अजमेर मय प्रवर्तन अधिकारी पहुँचें। फर्म परिसर की जांच करने पर पाया कि पेट्रोलियम एवं ल्यूब्रिकेन्ट ऑयल पदार्थ की प्रोसेसिंग यूनिट लगी हुई है जिसमें राँ मैटेरियल स्टोरेज टैंक, हीटिंग बेसल टैंक, सैटलिंग टैंक, टैंक एवं फिनिश प्रोडक्ट टैंक प्रोपर सेटअप के साथ एक दूसरे से जुडे होकर संचालित है। श्री मनीष द्वारा अवगत कराया कि उनके फर्म द्वारा विभिन्न प्रकार के यूज्ड ऑयल विभिन्न फर्मो से खरीद की जाती है जिन्हे इस यूनिट पर प्रोसेसिंग, ब्लेन्डिंग कर उसमें ग्रीस ऑयल व अन्य ऑयल मिश्रण कर ल्यूब्रिकेटिंग ऑयल एवं ग्रीस ऑयल तैयार किया जाता है जिसे विभिन्न फर्मो को विक्रय किया जाता है। वक्त जांच श्री मनीष से ल्यूब्रिकेटिंग ऑयल एवं ग्रीस प्रोसेसिंग, भण्डारण, सप्लाई/व्यापार, रिफाइनिंग मैन्यू फैक्चरिंग, ब्लेन्डिंग के कार्य/व्यवसाय से संबंधित अनुज्ञा पत्र/अनुमति पत्र मांगा गया तो उनके द्वारा फर्म के पास अनुज्ञा पत्र नहीं होना तथा बिना अनुज्ञा पत्र के ही ल्यूब्रिकेटिंग ऑयल व ग्रीस की रिफाइनिंग प्रोसेसिंग, मैन्यूफैक्चरिंग, ब्लेन्डिंग करना पाया। तथा प्रार्थना पत्र में खरीद बिल एवं फर्म द्वारा प्रस्तुत विक्रय बिल व फर्म भारत पेट्रो इण्डस्ट्रीज द्वारा फ्यूल ऑयल की ट्रेडिंग करना पाया। वक्त जांच फर्म परिसर में लगे हुए फिक्स तीन फिनिश प्रोडक्ट टैंको की जांच करने पर उनमें एक टैंक खाली पाया गया तथा दो टैंको में


डॉ. भारती दीक्षित
जिला कलक्टर, अजमेर

कमशः 12000 लीटर तथा 6500 लीटर प्रोसेस्ड किया हुआ ऑयल भरा पाया गया, जिसे मनीष ने ल्यूब्रिकेटिंग ऑयल होना बताया जो बिक्री के लिए तैयार पाया। वक्त जांच फर्म परिसर में ही 20 लोहे के ड्रमों में 4200 लीटर पेट्रोलियम पदार्थ भरा पाया, जिसकी मौके पर सेल्स ऑफिसर (पेट्रोल) आईओसीएल श्री धर्मेन्द्र कुमार द्वारा डेनसिटी व अन्य तरीको से परीक्षण कर जानकारी दी गई कि ड्रमों में भरा यह पेट्रोलियम पदार्थ डीजल समकक्ष है, जिसका वाहनों में ईंधन के रूप में उपयोग किया जा सकता है। वक्त जांच फर्म परिसर में एक टैंकर रजिस्ट्रेशन संख्या आर.जे.01 जी. ए. 1060 खडा हुआ पाया, जो खाली है जिस पर Hazardous waste carrier अंकित होना पाया, जो फर्म के लिए ल्यूब्रिकेटिंग ऑयल की खरीद-बिक्री के परिवहन में प्रयुक्त किया जाता है जिसका स्वामित्व श्री ओम प्रकाश जैथलिया के नाम होना अवगत कराया है। फर्म के पास पेट्रोलियम पदार्थ के व्यवसाय, उपयोग एवं भण्डारण के संबंध में वांछित जिला कलक्टर अनापत्ति व विस्फोटक नियंत्रक विभाग का अनुज्ञा पत्र जारी नहीं होना पाया गया। फर्म के पास लयूब आयल की ग्रेडिंग व गुणवत्ता जांच के लिए प्रयोगशाला लैब नहीं होना पाया गया। संचालक द्वारा अनुमान से ही विभिन्न ऑयल पदार्थ का मिश्रण कर नया ल्यूब्रिकेटिंग ऑयल बनाकर नया HSN code नम्बर अंकित करना पाया गया इस प्रकार श्री मनीष जैथलिया एवं श्रीमती चन्द्रकांता जैथलिया एवं फर्म भारत पेट्रो इण्डस्ट्रीज उदयपुर कलां तहसील किशनगढ़ द्वारा स्नेहक तेल/ग्रीस आदेश 1987 एवं MS & HSD order 2005 का स्पष्ट उल्लंघन है। अप्रार्थीगण का उक्त कृत्य ई सी एक्ट 1955 3/7, 3/8, 3/10 के तहत एक दण्डनीय अपराध है। अतः आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 6 ए के तहत जब्तशुदा 22700 लीटर पेट्रोलियम पदार्थ एक टैंकर रजि संख्या आर.जे.01 जी ए 1060 एवं लोहे के 20 ड्रम व अन्य सामान को राजसात करने हेतु प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया गया।

प्रकरण दर्ज रजिस्टर कर अप्रार्थीगण को नोटिस जारी किया गया। अप्रार्थीगण उपस्थित आये, जवाब प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया गया। सुनवाई चाहने पर उभयपक्ष की बहस सुनी गई।

पैरोकार सरकार ने प्रा.पत्र तथ्यों को दोहराते हुए निवेदन किया कि दिनांक 23.02.2023 को खसरा नम्बर 02, प्लॉट नं0 3 ए, खोडा माता इण्डस्ट्रीयल एरिया उदयपुर कला तहसील किशनगढ़ पर पेट्रोलियम पदार्थ के अवैध व्यवसाय की सूचना पर जिला रसद अधिकारी अजमेर मय प्रवर्तन अधिकारी पहुँचें। मौके पर मनीष जैथलिया पुत्र श्री ओमप्रकाश जैथलिया के उपस्थित थे, तथा उक्त स्थान पर संचालित फर्म भारत पेट्रो इण्डस्ट्रीज होकर प्रोपराइटर उनकी माता श्रीमती चन्द्रकांता जैथलिया, निवासी जैथलिया भवन आजाद नगर, किशनगढ़ होना बताया गया तथा स्वयं मनीष द्वारा उक्त फर्म का स्वयं द्वारा संचालन करना बताया गया। फर्म परिसर की जांच करने पर पाया कि पेट्रोलियम एवं ल्यूब्रिकेन्ट ऑयल पदार्थ की प्रोसेसिंग यूनिट लगी हुई है जिसमें रॉ मैटेरियल स्टोरेज टैंक, हीटिंग बेसल टैंक, सैटलिंग टैंक, टैंक एवं फिनिश प्रोडेक्ट टैंक प्रोपर सेटअप के साथ एक दूसरे से जुड़े होकर संचालित है। श्री मनीष द्वारा अवगत कराया कि उनके फर्म द्वारा विभिन्न प्रकार के यूज्ड ऑयल विभिन्न फर्मों से खरीद की जाती है जिन्हे इस यूनिट पर प्रोसेसिंग, ब्लेन्डिंग कर उसमें ग्रीस ऑयल व अन्य ऑयल मिश्रण कर ल्यूब्रिकेटिंग ऑयल एवं ग्रीस ऑयल तैयार किया जाता है जिसे विभिन्न फर्मों को विक्रय किया जाता है। वक्त जांच श्री मनीष से ल्यूब्रिकेटिंग ऑयल एवं ग्रीस प्रोसेसिंग, भण्डारण, सप्लाय/व्यापार, रीरिफाईनिंग मैन्यू


अजमेर

फैक्चरिंग, ब्लेन्डिंग के कार्य/व्यवसाय से संबंधित अनुज्ञा पत्र/अनुमति पत्र मांगा गया तो उनके द्वारा फर्म के पास अनुज्ञा पत्र नहीं होना तथा बिना अनुज्ञा पत्र के ही ल्यूब्रिकेटिंग ऑयल व ग्रीस की रीरिफाइनिंग प्रोसेसिंग, मैन्यूफैक्चरिंग, ब्लेन्डिंग करना पाया। तथा प्रार्थना पत्र में खरीद बिल एवं फर्म द्वारा प्रस्तुत विक्रय बिल व फर्म भारत पेट्रो इण्डस्ट्रीज द्वारा फ्यूल ऑयल की ट्रेडिंग करना पाया। वक्त जांच फर्म परिसर में लगे हुए फिक्स तीन फिनिश प्रोडक्ट टैंको की जांच करने पर उनमें एक टैंक खाली पाया गया तथा दो टैंको में क्रमशः 12000 लीटर तथा 6500 लीटर प्रोसेस्ड किया हुआ ऑयल भरा पाया गया, जिसे मनीष ने ल्यूब्रिकेटिंग ऑयल होना बताया जो बिक्री के लिए तैयार पाया। वक्त जांच फर्म परिसर में ही 20 लोहे के ड्रमों में 4200 लीटर पेट्रोलियम पदार्थ भरा पाया, जिसकी मौके पर सेल्स ऑफिसर (पेट्रोल) आईओसीएल श्री धर्मेन्द्र कुमार द्वारा डेनसिटी व अन्य तरीको से परीक्षण कर जानकारी दी गई कि ड्रमों में भरा यह पेट्रोलियम पदार्थ डीजल समकक्ष है, जिसका वाहनों में ईंधन के रूप में उपयोग किया जा सकता है। वक्त जांच मौके पर फिक्सड फिनिश प्रॉडक्ट टैंको से तीन सैम्पल लिए गए एवं लोहे के ड्रमों में भरे पदार्थ का कम्पोजिट सैम्पल तैयार कर तीन सैम्पल निर्धारित प्रक्रिया अनुसार लिए गए। वक्त जांच फर्म परिसर में एक टैंकर रजिस्ट्रेशन संख्या आर.जे.01 जी.ए. 1060 खडा पाया, जो खाली है जिस पर Hazardous waste carrier अंकित होना पाया, जो फर्म के लिए ल्यूब्रिकेटिंग ऑयल की खरीद-बिक्री के परिवहन में प्रयुक्त किया जाता है जिसका स्वामित्व श्री ओम प्रकाश जैथलिया के नाम होना अवगत कराया है। वक्त जांच वाहन की आर.सी उपलब्ध नहीं होना बताया। फर्म परिसर में अन्य कोई औद्योगिक इकाई/विनिर्माण इकाई संचालित नहीं है, जिसमें परिसर में पाये गए पदार्थ का उपयोग किया जा सके। फर्म के पास पेट्रोलियम पदार्थ के व्यवसाय, उपयोग एवं भण्डारण के संबंध में वांछित जिला कलक्टर अनापत्ति व विस्फोटक नियंत्रक विभाग का अनुज्ञा पत्र जारी नहीं होना पाया गया। फर्म के पास ल्यूब्रिकेटिंग ऑयल की ग्रेडिंग व गुणवत्ता जांच के लिए प्रयोगशाला लैब नहीं होना पाया गया। संचालक द्वारा अनुमान से ही विभिन्न ऑयल पदार्थ का मिश्रण कर नया ल्यूब्रिकेटिंग ऑयल बनाकर नया HSN code नम्बर अंकित करना पाया गया। इस प्रकार फर्म पर पाये गए सैटअप एवं पाये गए दस्तावेजों से प्रथम दृष्टया प्रमाणित हुआ कि बिना वैध अनुज्ञा पत्र/अनुमति पत्र के फर्म द्वारा बड़े पैमाने पर ल्यूब्रिकेटिंग ऑयल व ग्रीस व फ्यूल ऑयल का व्यवसाय भण्डारण, विनिर्माण, रिफाइनिंग, ब्लेन्डिंग, ट्रेडिंग की जा रही है, जो कि स्नेहक तेल और ग्रीस (प्रसंस्करण, प्रदाय और वितरण विनियमन) आदेश 1987 एवं मोटर स्प्रीट एवं उच्च वेग डीजल आदेश 2005 व अन्य पेट्रोलियम आदेशों का स्पष्ट उल्लंघन किया पाये जाने पर फर्म प्रतिनिध श्री मनीष से 22700 लीटर ल्यूब्रिकेटिंग ऑयल व पेट्रोलियम पदार्थ मय 20 लोहे के ड्रम, टैंकर रजिस्ट्रेशन संख्या आर.जे.01.जी ए 1060 को राजहित में कब्जेराज लिया जाकर पुलिस थाना किशनगढ शहर को सुरक्षार्थ सुपुर्दगी में दिया गया। वक्त जांच एक खरीद बिल विक्रेता मैसर्स भवानी ऑयल एजेन्सी जी 1-204 रीको इण्डस्ट्रीयल एरिया सिलोरा किशनगढ का Billed to bharat petro Industries के नाम जारी पाया, जिसका बिल क्रमांक 36 दिनांक 03.01.2023 उत्पाद Process oil HSN/SAC Code 2710 मात्रा 12000 लीटर दर 60/- रुपये प्रति लीटर अंकित पाया, जिसके बारे में खरीद की पुष्टि मौके पर श्री मनीष ने की है। इस संबंध में फर्म मैसर्स भवानी ऑयल एजेन्सी का अवैध पेट्रोलियम व्यवसाय में लिप्त पाये जाने पर दिनांक 14.02.2023 को विभाग द्वारा कार्यवाही की गई। फिनिश प्रोडक्ट टैंको में गेज लगा हुआ पाया, जिससे उसमें ल्यूब


डॉ. भारती दीक्षित
जिला कलक्टर, अजमेर


ऑयल की मात्रा का मापन किया, जिसका जब्त कर परिसर में खडे खाली टैंकर आर. जे.01 जी ए 1060 में स्टॉक को ट्रांसफर करवाया, जिसकी मात्रा 12000 लीटर है, शेष फिनिश टैंको से निकाली गई मात्रा 6500 लीटर को खाली लोहे के ड्रम 28 मंगवाकर के उनमें ट्रांसफर करवाया गया जिन्हे पुलिस थाना किशनगढ शहर को सुपुर्दगी में दिया गया वक्त जांच मौके पर परिसर का नक्शा बनाया गया । इस प्रकार श्री मनीष जैथलिया एवं श्रीमती चन्द्रकांता जैथलिया एवं फर्म भारत पेट्रो इण्डस्ट्रीज उदयपुर कलां द्वारा स्नेहक तेल/ग्रीस आदेश 1987 एवं MS & HSD order 2005 का स्पष्ट उल्लंघन है। अप्रार्थीगण का उक्त कृत्य ई. सी एक्ट 1955 3/7, 3/8, 3/10 के तहत एक दण्डनीय अपराध है। अतः आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 6 ए के तहत जब्तशुदा 22700 लीटर पेट्रोलियम पदार्थ एक टैंकर रजि संख्या आर.जे.01 जी ए 1060 एवं लोहे के 20 ड्रम व अन्य सामान को राजसात करने के आदेश फरमावे।

अप्रार्थी 1 द्वारा जवाब प्रस्तुत कर जवाब में अंकित तथ्यों को दोहराते हुए निवेदन किया गया कि वक्त जांच मौके पर जवाबकर्ता उपस्थित नहीं था। बाद कार्यवाही फोन करके मौके पर बुलाया गया था। जांच कर्ता का उपरोक्त फर्म से कोई संबंध सरोकार नहीं है और ना ही जवाबकर्ता द्वारा फर्म का संचालन स्वयं के द्वारा करना बताया, ना ही मौके पर फर्म का अधिकृति प्रतिनिधी होकर कोई जांच फर्म की कारवाई। क्योंकि उक्त फर्म चन्द्रकान्ता जैथलया निवासी जैथलिया भवन आजाद नगर, किशनगढ ही उक्त फर्म की प्रोपराईटर/मालिक है। जवाबकर्ता से जांचकर्ता ने इन्डस्ट्री से संबंधित ल्यूब्रिकेटिंग ऑयल एवं ग्रीस प्रोसेसिंग भण्डारण सप्लाई/ब्यापार, रिरिफाईनिंग मैन्यूफैक्चरिंग, ब्लेन्डिंग के कार्य/व्यवसाय से संबंधित अनुज्ञा पत्र नहीं मांगा और ना ही फर्म के पास अनुज्ञा पत्र नहीं होने बाबत बताना तथा ना ही बिना वैध अनुज्ञा पत्र के ही ल्यूब्रिकेटिंग ऑयल व ग्रीस प्रोसेसिंग भण्डारण सप्लाई/ब्यापार, रिरिफाईनिंग मैन्यूफैक्चरिंग, ब्लेन्डिंग करना बताया। वक्त जांच जवाबकर्ता ने फर्म के व्यवसाय से संबंधित बिल वाउचर प्रस्तुत नहीं किये और ना ही यूज ऑयल खरीदना बताया, ना ही विभिन्न फर्मो से विक्रय करना बताया। फर्म से संबंधित जो प्रार्थना पत्र के पैरा संख्या 5 में खरीद से संबंधित बिल वाउचर के संबंध में जवाबकर्ता को किसी प्रकार की कोई जानकारी नहीं है। जवाबकर्ता के सामने जांच अधिकारी फर्म परिसर में लगे हुए फिक्स तीन फिनिश प्रोडेक्टस टैंको की कोई जांच की गई और ना ही दो टैंको से क्रमशः 12000 लीटर तथा 6500 लीटर प्रोसेस्ड किया हुआ ऑयल भरा पाया, ना ही जांचकर्ता को जवाबकर्ता ने ल्यूब्रिकेटिंग ऑयल होना बताया जो बिक्री के लिए तैयार होना बताया। जवाबकर्ता को मात्र दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने हेतु घर से बुलाया गया। वक्त जांच मौके पर फिक्स फिनिश प्रोडेक्ट टैंको से तीन सैम्पल लेने व लोहे के ड्रमों से भरे पदार्थ का कम्पोजिट सैम्पल तैयार कर तीन सैम्पल लिये जाने का कोई ज्ञान है और ना ही जवाबकर्ता के समक्ष इस प्रकार की कोई सैम्पल जांच अधिकारी ने नहीं लिए। जांच अधिकारी ने जवाबकर्ता को घर से बुलाकर सैम्पल पर मात्र हस्ताक्षर करवाये थे। ट्रेकर फैक्ट्री से संबंधित नहीं है। जवाबकर्ता ना तो फर्म का प्रोपराईटर/मालिक है और ना ही फर्म का कोई वैध अधिकृत प्रतिनिधी है, ना ही जवाबकर्ता उक्त फैक्ट्री में कार्यरत है। जवाबकर्ता ने दस्तावेजो एवं सैम्पल पर हस्ताक्षर करने से स्पष्ट रूप से जांच अधिकारी को इंकार कर दिया परन्तु जांचकर्ता ने दबाव बनाकर जवाबकर्ता के हस्ताक्षर उसकी इच्छा के विरुद्ध करवाये। वक्त जांच एक खरीद बिल विक्रेता मैसर्स भवानी ऑयल एजेन्सी इन्डस्ट्री एरिया सिलोरा किशनगढ का बिल भारत पेट्रो इण्डस्ट्री के नाम जारी होना बताया, ना ही बिल


डॉ. भरती दीक्षित
जिला प्रमुख, अजमेर

क्रमांक 36 दिनांक 03.01.2023 मात्रा 12000 लीटर दर 60 रुपये प्रति लीटर अंकित होने के संबंध में कोई जानकारी है, ना ही जवाबकर्ता ने मौके पर खरीद की पुष्टि की। अतः आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के तहत कार्यवाही में हस्ताक्षर नहीं है व प्रार्थी के विरुद्ध जो नियमानुसार कार्यवाही चल रही है उसको निरस्त करावे।

अप्रार्थी 2 व 3 द्वारा जवाब प्रस्तुत कर जवाब में अंकित तथ्यों को दोहराते हुए निवेदन किया गया कि प्रार्थीया स्वयं ही उपरोक्त फर्म का संचालन करती है। प्रार्थीया का कोई भी फर्म का अधिकृत प्रतिनिधी नहीं है। प्रार्थीया द्वारा विधि के अनुसार ही उपरोक्त फर्म का व्यापार व्यवसाय किया जाता है। फर्म इण्डस्ट्रीज का प्रदूषण लाईसेंस, पोल्यूशन कन्ट्रोल बोर्ड जयपुर द्वारा जारी किया गया है। प्रार्थीया की फर्म से संबंधित जीएसटी, सीएसटी नम्बर भी विधि के अनुसार लिये गये हैं और औद्योगिक रजिस्ट्रेशन बैंक अकाउन्ट द्वारा किया गया है। फर्म द्वारा खरीद बिक्री भी ई ऑक्सन द्वारा की जाती है। प्रार्थीया का पुत्र मनीष उक्त फ़ैक्ट्री का कोई वैध अधिकृत प्रतिनिधी नहीं है और ना ही प्रार्थीया का पुत्र उक्त इण्डस्ट्री में कार्यरत है। ना ही प्रार्थीया के पुत्र को इण्डस्ट्री के व्यापार से संबंधित कोई जानकारी है। प्रार्थीया ने परिवर्तन निदेशक अधिकारी अजमेर के समक्ष इण्डस्ट्री का लाईसेंस विधि सम्मत प्राप्त करने हेतु दिनांक 02.09.2020 व दिनांक 10.03.2021 को प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर रखा है। फर्म से संबंधित बिल बाउचर प्रार्थीया की फर्म के ऑफिस में ही रखे होते हैं। उन बिल बाउचरो को मेरे पुत्र मनीष द्वारा जाँच अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत नहीं किया। जाँच के वक्त जवाबकर्ता को कोई भी सूचना प्रदान नहीं की गई थी कि उसकी फ़ैक्ट्री की कोई जाँच की जा रही है। प्रार्थीया जाँच दिवस को किशनगढ से बाहर होने के कारण उसकी अनुपस्थिति में व उसके वैध अधिकृत प्रतिनिधी की अनुपस्थिति में जो भी कार्यवाही की गई वह विधि सम्मत नहीं है। प्रार्थीया की इण्डस्ट्री में कई दिनों से टैंकर रजिस्ट्रेशन संख्या आर.जे. 01 जी.ए 1060 खडा किया हुआ था जो खाली था। उक्त टैंकर फर्म से संबंधित नहीं था ना ही उक्त टैंकर का उपयोग खरीद बिक्री के परिवहन में प्रयुक्त किया जाता है। ना ही उक्त टैंकर का स्वामित्व प्रार्थीया के पति श्री ओमप्रकाश जैथलिया के नाम है। पेट्रोलियम एक्ट 1934 में जो पेट्रोलिया की परिभाषा धारा 2 में परिभाषित किया गया है जिसके अनुसार पेट्रोलियम को तीन क्लोज (क्लास) में विभाजित किया गया। क्लोज एक में 0 से 23 डिग्री तक तथा क्लोज बी में 24 से 65 डिग्री व क्लोज 3 में 66 से 93 डिग्री तक परिभाषित किया है। प्रार्थी का जब्त माल 93 डिग्री से अधिक डिग्री का हैवी ऑयल है इस कारण पेट्रोलियम एक्ट की श्रेणी में नहीं आता है। इस कारण लाईसेंस की आवश्यकता नहीं है। प्रार्थीया की इण्डस्ट्री में जो रॉ-मटेरियल काम में लिया जाता है वह यूज्ड ऑयल/बर्ण ऑयल/स्केब ऑयल को रिप्रोसेसिंग कर प्रोसेस ऑयल व फ्यूल ऑयल इण्डस्ट्री में बनाया जाता है। इस कारण इन प्रोडक्टस का प्लेस पाइन्टर 93 डिग्री से अधिक होने के कारण उपरोक्त इण्डस्ट्री में पी.ई.एस.ओ एक्ट के तहत विस्फोटक अधिनियम के अन्तर्गत कोई वैध लाईसेंस का लिया जाना आवश्यक नहीं है। प्रार्थीया विधि के अनुसार ही उपरोक्त फर्म का व्यापार व्यवसाय किया जाता है। उपरोक्त फर्म इण्डस्ट्रीज का प्रदूषण लाईसेंस, पोल्यूशन कन्ट्रोल बोर्ड जयपुर द्वारा जारी किया गया है। प्रार्थीया की फर्म से संबंधित जीएसटी, सीएसटी नम्बर भी विधि के अनुसार लिये गये हैं और औद्योगिक रजिस्ट्रेशन भी करा रखा है। फर्म का सभी ट्रांसजेक्शन बैंक अकाउन्ट द्वारा किया गया है। फर्म द्वारा खरीद बिक्री भी ई ऑक्सन द्वारा की जाती

A handwritten signature in blue ink is present at the bottom right of the page. Below it is an official blue stamp with some text, including the word 'अंकित' (Ankita) and 'जयपुर' (Jaipur).

है। प्रार्थीया की फर्म में अविधि पूर्ण कार्यवाही कर प्रार्थीया का माल जब्त किया गया है। इस कारण प्रार्थीया उक्त माल को सुपुदर्गीनामें पर दिलवाये जाने हेतु निवेदन करती है। प्रार्थीया के द्वारा एक प्रार्थना पत्र सुपुदर्गीनामा प्रस्तुत कर जब्तशुदा 22700 लीटर सुपुदर्गीनामें पर प्राप्त करने की वैध रूप से अधिकारिणी है।

प्रार्थी श्री गौरव जैथलिया ने सुपुदर्गीनामा प्रार्थना पत्र के तथ्यों को दौहराते हुए कथन किया कि प्रार्थी टैंकर वाहन संख्या आर.जे.01 जी.ए 1060 का स्वामी है। जो फिनिश गुडस ऑयल टैंकों में था उस ऑयल को जब्ती अधिकारी ने प्रार्थी के मौके पर मौजूद पानी सप्लाई टैंकर में भरकर उसे ले जाने के लिये उक्त वाहन को मौके से उक्त ऑयल को भरकर ले जाने की कहकर मौके से ले जाकर बाद में दुराशय पूर्वक जब्त कर लिया तथा प्रार्थी को उक्त वाहन की जब्ती की कोई जानकारी नहीं थी। प्रार्थी/सुपुर्दीगार के उक्त वाहन द्वारा किसी भी प्रकार की किसी वस्तु का मौके पर प्रवहण नहीं किया जा रहा था। उक्त वाहन मात्र उक्त परिसर में खड़ा था तथा उक्त वाहन को प्रकरण में मिथ्या व मनगढन्त तथ्यों के आधार पर जब्त किया गया है। उक्त वाहन का उक्त आरोपित प्रकरण से कोई सम्बन्ध सरोकार नहीं है। प्रार्थी/सुपुर्दीगार के उक्त वाहन की सम्बन्धित विभाग को जाँच एवं अनुसंधान में कोई आवश्यकता नहीं है। प्रार्थी का उक्त वाहन प्रवर्तन विभाग की अभिरक्षा में पड़े खराब होने की पूर्ण संभावना है। अतः प्रार्थी का उक्त वाहन टैंकर नम्बर आर.जे. 01 जी.ए. 1060 को प्रार्थी को सुपुर्दगीनामें पर दिलवाये जाने के आदेश फरमावे।

हमने उभयपक्ष की बहस पर मनन किया रेकार्ड पत्रावली का अवलोकन किया। अवलोकन से स्पष्ट है कि दिनांक 23.02.2023 को खसरा नम्बर 02, प्लॉट नं 03 ए, खोडा माता इण्डस्ट्रीयल एरिया उदयपुर कला तहसील किशनगढ पर पेट्रोलियम पदार्थ के अवैध व्यवसाय की सूचना पर जिला रसद अधिकारी अजमेर मय प्रवर्तन अधिकारी पहुँचें। वरवक्त जांच पेट्रोलियम एवं ल्यूबिकेन्ट ऑयल पदार्थ की प्रोसेसिंग यूनिट लगी हुई है जिसमें रॉ मैटेरियल स्टोरेज टैंक, हीटिंग बेसल टैंक, सैटलिग, टैंक, टैंक एवं फिनिश प्रोडक्ट टैंक प्रोपर सेटअप के साथ एक दूसरे से जुड़े होकर संचालित है। फर्म द्वारा विभिन्न प्रकार के यूज्ड ऑयल विभिन्न फर्मों से खरीद की जाती है जिन्हें इस यूनिट पर प्रोसेसिंग, ब्लेन्डिंग कर उसमें ग्रीस ऑयल व अन्य ऑयल मिश्रण कर ल्यूब्रिकेटिंग ऑयल एवं ग्रीस ऑयल तैयार किया जाता है जिसे विभिन्न फर्मों को विक्रय किया जाता है। वरवक्त जांच श्री मनीष से ल्यूब्रिकेटिंग ऑयल एवं ग्रीस प्रोसेसिंग, भण्डारण, सप्लाई/व्यापार, रिरिफाइनिंग मैनु फैक्चरिंग, ब्लेन्डिंग के कार्य/व्यवसाय से संबंधित अनुज्ञा पत्र/अनुमति पत्र मांगा गया तो उनके द्वारा फर्म के पास अनुज्ञा पत्र नहीं होना तथा बिना अनुज्ञा पत्र के ही ल्यूब्रिकेटिंग ऑयल व ग्रीस की रिरिफाइनिंग प्रोसेसिंग, मैनुफैक्चरिंग, ब्लेन्डिंग करना पाया। वरवक्त जांच फर्म परिसर में लगे हुए फिक्स तीन फिनिश प्रोडक्ट टैंको की जांच करने पर उनमें एक टैंक खाली पाया गया तथा दो टैंको में क्रमश 12000 लीटर तथा 6500 लीटर प्रोसेस्ड किया हुआ ऑयल भरा पाया गया, जिसे मनीष ने ल्यूब्रिकेटिंग ऑयल होना बताया जो बिक्री के लिए तैयार पाया। वरवक्त जांच फर्म परिसर में ही 20 लोहे के ड्रमों में 4200 लीटर पेट्रोलियम पदार्थ भरा पाया, जिसकी मौके पर सेल्स ऑफिसर (पेट्रोल) आई.ओ. सी.एल. श्री धर्मेन्द्र कुमार द्वारा डेनसिटी व अन्य तरीको से परीक्षण कर जानकारी दी गई कि ड्रमों में भरा यह पेट्रोलियम पदार्थ डीजल समकक्ष है, जिसका वाहनों में ईंधन के रूप में उपयोग किया जा सकता है। वरवक्त जांच फर्म परिसर में एक टैंकर रजिस्ट्रेशन संख्या आर.जे.01 जी.ए. 1060 खड़ा पाया, जो खाली है जिस पर


जॉ. भारती दीक्षित
जिला कलक्टर, अजमेर

Hazardous waste carrier अंकित होना पाया, जो फर्म के लिए ल्यूब्रिकेटिंग ऑयल का खरीद-बिक्री के परिवहन में प्रयुक्त किया जाता है, फर्म के पास पेट्रोलियम पदार्थ के व्यवसाय, उपयोग एवं भण्डारण के संबंध में वांछित जिला रसद अधिकारी द्वारा अनापत्ति व विस्फोटक नियंत्रक विभाग का अनुज्ञा पत्र जारी नहीं होना पाया गया। दस्तावेजों से प्रथम दृष्टया प्रमाणित हुआ कि बिना वैध अनुज्ञा पत्र/अनुमति पत्र के फर्म द्वारा बड़े पैमाने पर ल्यूब्रिकेटिंग ऑयल व ग्रीस व फ्यूल ऑयल का व्यवसाय भण्डारण, विनिर्माण, रिफाइनिंग, ब्लेण्डिंग, ट्रेडिंग की जा रही है, जो कि स्नेहक तेल और ग्रीस (प्रसंस्करण, प्रदाय और वितरण विनियमन) आदेश 1987 एवं मोटर स्पिंट एवं उच्च वेग डीजल आदेश 2005 व अन्य पेट्रोलियम आदेशों का स्पष्ट उल्लंघन किया पाये जाने पर फर्म प्रतिनिध श्री मनीष से 22700 लीटर ल्यूब्रिकेटिंग ऑयल व पेट्रोलियम पदार्थ मय 20 लोहे के ड्रम, टैंकर रजिस्ट्रेशन संख्या आर.जे.01. जी ए 1060 को राजहित में कब्जेराज लिया जाकर पुलिस थाना किशनगढ़ शहर को सुरक्षार्थ सुपुर्दगी में दिया गया। इस प्रकार श्री मनीष जैथलिया एवं श्रीमती चन्द्रकांता जैथलिया एवं फर्म भारत पेट्रो इण्डस्ट्रीज उदयपुर कलां तहसील किशनगढ़ द्वारा स्नेहक तेल/ग्रीस आदेश 1987 एवं MS & HSD order 2005 का स्पष्ट उल्लंघन है। अप्रार्थीगण का उक्त कृत्य ई सी एक्ट 1955 3/7, 3/8, 3/10 के तहत एक दण्डनीय अपराध है। चूंकि अप्रार्थी द्वारा ऐसे कोई आधारभूत कथन, दस्तावेजी साक्ष्य, सबूत के पेश नहीं किये गये हैं, जो प्रार्थना पत्र कथनों का खण्डन करते। अतः प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाकर जब्तशुदा सामग्री 22700 लीटर पेट्रोलियम पदार्थ एवं लोहे के 20 ड्रम के राजसात करने के आदेश दिये जाते हैं। प्रार्थी ने वाहन टैंकर सुपुर्दगीनामा पर देने के संबंध में वाहन टैंकर नं0 आर.जे.01 जी.ए 1060 को अवैध पेट्रोलियम पदार्थ कारोबार के परिवहन के उपयोग में लाये जाने कारण वाहन टैंकर नं0 आर.जे.01 जी.ए 1060 के अधिहरण के आदेश दिये जाते हैं इसी क्रम में न्यायहित में वाहन मालिक को वाहन के अधिहरण के बदले में प्रवहन के ऐसे साधन के बाजार मूल्य से अनधिक जुर्माने के संदाय करने का भी विकल्प दिया जाता है। जिला रसद अधिकारी अजमेर को जब्त वाहन टैंकर नं0 आर.जे.01 जी.ए 1060 को इस शर्त पर प्रार्थी की सुपुर्दगी में दिये जाने के आदेश दिये जाते हैं कि यदि प्रार्थी उक्त वाहन के बीमा दस्तावेज में अंकित वाहन की कीमत के बराबर राशि का जुर्माना राजकोष में जमा कराकर रसीद एवं वाहन का स्वामी होने के प्रमाण के मूल अथवा प्रमाणित दस्तावेज जिला रसद अधिकारी अजमेर के समक्ष प्रस्तुत करे तो वाहन प्रार्थी को सुपुर्दगी में दिया जावे। राशि जमा नहीं कराने की दशा में वाहन का नियमानुसार विधि द्वारा सुस्थापित प्रक्रियानुसार जर्गे निलामी निस्तारण किया जावे। 22700 लीटर पेट्रोलियम पदार्थ एवं लोहे के 20 ड्रम जिला रसद अधिकारी अजमेर नियमानुसार निस्तारण की कार्यवाही करें और निस्तारण से प्राप्त राशि राजकोष में जमा करावें। आरोपित शास्ति राशि जमा कराने पर वाहन टैंकर नं0 आर.जे.01 जी.ए 1060 की अन्य किसी प्रकरण में आवश्यकता न होने पर नियमानुसार बाद जांच सम्बन्धित को सुपुर्द करें। प्रार्थना पत्र मय (सुपुर्दगीनामा) संख्या 26/2023 एवं 27/2023 दर्ज फैसल हो।

आदेश मेरे द्वारा लिखवाया जाकर आज दिनांक 19.07.2023 को इजलास सुनाया गया।

(डॉ० भारती दीक्षित)
जिला कलक्टर,
अजमेर।